Dr.pragya kumari
Asst.prof.
Dept.of psychology
H.D.Jain college Ara

Scanned with CamScanner

प्रयोग संख्या–1 (Experiment No.–1) :

स्वतंत्र प्रत्यावाह्न विधि द्वारा निरर्थक पदों को याद करना

(*Memorizing Non-sense syllables by Free recall method or Simple recall method*)

1. समस्या (*Problem*) :

स्वतंत्र प्रत्यावाह्न या सरल प्रत्यावाह्न विधि द्वारा 10 निरर्थक पदों की सूची को याद करना तथा उसमें निहित प्रक्रियाओं का प्रयोगात्मक अध्ययन करना (To conduct an experiment to study the processes involved in memorizing a list of 10 non-sense syllables by Free recall or Simple recall method.)

Scanned with CamScanner

2. **परिचय** (*Introduction*) :

सर्वप्रथम एबिंगहॉस (Ebbinghaus, 1885) ने मौखिक सामग्री (Verbal material) और खासकर निरर्थक पदों (non-sense syllables) पर स्वतंत्र प्रत्यावाह्न विधि का उपयोग करके स्मरण (memory) तथा विस्मरण (forgetting) के स्वरूप को समझने का प्रयास किया। निरर्थक पद किसे कहते हैं, इसे कैसे बनाया जाता है, इसकी रचना करते समय किन-किन नियमों (rules) पर ध्यान देना आवश्यक होता है, इन सारी बातों की व्याख्या पृष्ठ संख्या 18 पर की जा चुकी है। स्वतंत्र प्रत्यावाह्न विधि (Free recall method) अर्थात् सरल प्रत्यावाह्न विधि (Simple reproduction method) के सम्बन्ध में यहाँ इतना कह देना पर्याप्त है कि इस विधि में निरर्थक पदों की सूची के सभी पदों को शुरू से अन्त तक एक-एक करके कागज-एपरचर (paper aperture) या मेमोरी-ड्रम (Memory drum) द्वारा प्रयोज्य को दिखा दिया जाता है। उसके बाद उसे दिखाये गये पदों को मौखिक रूप से बतलाने के लिए कहा जाता है। यहाँ प्रयोज्य को यह छूट होती है कि वह सूची के पदों को किसी भी क्रम (order) में बतला सकता है। पदों का प्रत्यावाह्न अक्रमिक (random) हो सकता है। प्रत्यावाह्न करते समय प्रयोज्य पर किसी भी नियम को पालन करने की बाध्यता नहीं होती है, केवल उसे शुद्ध रूप में प्रत्यावाह्न करना होता है। इसीलिए, इसे स्वतंत्र प्रत्यावाह्न विधि कहा जाता है। मौखिक सामग्री को सीखने या याद करने की यह विधि बहुत सरल है। इसीलिए, इसे सरल प्रत्यावाह्न विधि भी कहा जाता है। निरर्थक पदों को सीखते समय साहचर्य (association) के दो नियम अर्थात् प्राथमिकता-नियम (Law of primacy) तथा तात्कालिकता नियम (Law of recency) सक्रिय रहते हैं। इन दोनों नियमों में तत्कालिकता-नियम अधिक प्रधान एवं प्रबल होता है। सूची के शुरू तथा अन्त के पदों को सीखना सूची के बीच के पदों की अपेक्षा सरल होता है। फिर शुरू के पदों की तुलना में अन्त के पदों को याद करना अधिक सरल होता है।

3. **उद्देश्य** (*Purpose*) :

इस प्रयोगात्मक अध्ययन का उद्देश्य निरर्थक पदों को स्वतंत्र प्रत्यावाह्न-विधि द्वारा सीखने में निहित प्रक्रियाओं का विश्लेषण करना है।

4. **परिकल्पना** (*Hypothesis*) :

स्वतंत्र प्रत्यावाह्न-विधि द्वारा 10 निरर्थक पदों को याद करने में अधिक-से-अधिक 7 प्रयासों की आवश्यकता होती है तथा साहचर्य के प्राथमिकता-नियम तथा तात्कालिकता-नियम दृष्टिगोचर होते हैं।

5. **प्रारंभिकताएँ** (*Preliminaries*) :

(i) प्रयोज्य का नाम (Name)—जगदीश प्रसाद
(ii) आयु (Age)—19 वर्ष,
(iii) यौन (Sex)—पुरुष,
(iv) शिक्षा (Education)—बी०ए०, खण्ड–II
(v) मानसिक स्थिति (Mental state)—सामान्य,
(vi) स्वास्थ्य (Health)—सामान्य,
(vii) प्रयोग का समय (Time)—1 बजे दिन।

Scanned with CamScanner